# जय सनातन-जय विश्व

# अक्षर प्रभात (मासिक पत्रिका)

**कार्यालय :** अक्षर प्रभात, 22-ए, इन्द्रपुरी, भोपाल-462 021 (म.प्र.)
ई-मेल : aksharprabhat@hotmail.com
बेवसाइट : www.aksharprabhat.in
दूरभाष : 0755-4256900 मोबाइल : 09302432768, 7869134364

**सदस्यता फार्म** आप्र/408

क्रमांक : दिनांक :..........................

श्री/श्रीमती : ..........................................................................................................

..........................................................................................................

..........................................पिनकोड : ......................................दूरभाष : ..................................................

ईमेल : ...................................................................................................मोबाइल : ........................................

से सदस्यता शुल्क (वार्षिक) 250/- (दो सौ पचास रूपये) सधन्यवाद प्राप्त किये।

चेक नं. :..................................................दिनांक : ...............................खाता नं. :..................................................

सदस्यता वर्ष : ................................................से ...................................................तक।

**₹ 250/-**

................................ ................................

हस्ताक्षर सदस्यता हस्ताक्षर प्राप्तकर्ता

**'अक्षर प्रभात ट्रस्ट'** खाता नं. 2544101013076 केनरा बैंक भोपाल में भी जमा करवा सकते है और हमें सूचित करें जिससे हम आपको रसीद भेंज सके तथा पत्रिका भी साथ-साथ भेज सकें।

IFSC Code : CNRB0002544 MICR Code : 462015006

व्यवस्थापक

| सदस्यता शुल्क | | |
|---|---|---|
| वार्षिक सदस्यता शुल्क | : | ₹ 250 |
| तीन वार्षिक सदस्यता शुल्क | : | ₹ 700 |
| बारह वार्षिक सदस्यता शुल्क | : | ₹ 2500 |

| विज्ञापन शुल्क | | |
|---|---|---|
| 2.5 से.मी. X 10 से.मी. | : | ₹ 1000 |
| 5 से.मी. X 20 से.मी. | : | ₹ 2000 |
| 10 से.मी. X 20 से.मी. | : | ₹ 3000 |
| फुल पेज | : | ₹ 5000 |

- सेवा का संकल्प हमारा, बने हमारी पूजा, राष्ट्र देवता से बढ़कर हो, पूज्य न कोई दूजा।
- हम जीवन में नित्यप्रति अपने अन्तःस्थल में अच्छा जो भी पहली बार स्वतः स्फूर्त तरीके से अनुभूत करें, उसे अपने कर्मो से व्यवहार में परिणत करें तो वही सत्य है।

✧ **चिंतन** - देश की परम्परा के प्रति ✧ **चिंता** - देश की सुख-समृद्धि के प्रति
✧ **चेतना** - देश की संस्कृति के प्रति ✧ **चरित्र** - देश में चरित्र निर्माण के प्रति

# अक्षर प्रभात

**22-ए, इन्द्रपुरी, भोपाल- 462 021 (मध्य प्रदेश) भारत**

यहाँ से काटें

यहाँ से काटें

यहाँ से काटें

*ध्रुव ने तपस्या कर परमात्मा का दर्शन किया था उस प्रकार की तपस्या करके कलियुग में भी कल्याण हो सकता है। सारे संसार को परमात्मा का स्वरूप मानना चाहिये और हर समय आनन्द में मग्न रहना चाहिये। जो कुछ हो रहा है उसको गंभीरता से समझें।* *- अक्षर प्रभात*

## एक परिचय

भारतीय राजनैतिक एवं सनातन संस्कृति के अवमूल्यन की जो प्रक्रिया पिछले 62 वर्षो में भारतीय जन-जीवन में जो ह्रास हो रहा है उसमें सुधार करने के लिये अक्षर प्रभात पत्रिका निकालने पर विचार किया गया।

**अक्षर प्रभात का मुख्य उद्देश्य** - आज के वातावरण में युवाओं को पारंपरिक भारतीय सनातन संस्कृति से उसके मूल रूप में परिचय कराना, ताकि वे अपनी सनातन संस्कृति के गरिमापूर्ण सौन्दर्य एवं वैभवशाली ज्ञान की महिमा को सिर्फ जाने ही नहीं, बल्कि आत्मसात भी करें उसके प्रति संवेदनशील भी रहें एवं समृद्ध बनें, भारतीय सनातन संस्कृति हजारों हजार वर्षो से मानवीय अभिव्यक्ति का मुख्य साधन रहा है, विभिन्न आध्यात्मिक ज्ञान द्वारा साधक, संत, महात्मा देश एवं विश्व में जाकर साक्षात् प्रदर्शन करते रहे है और करते रहेंगे उनका मूल उद्देश्य विश्व का कल्याण मात्र ही रहा है। मानवता की अलख जगाना ही रहा है।

**भारत की यह सोच** - हमें दुनिया (विश्व) की सरहदों से क्या मतलब हमारा संदेश मोहब्बत का है जहाँ तक पहुँचे, सरहदों में बटी मानवीयता को अपने शब्दों के जरिये शांति और भाईचारा का संदेश देना ही है। इसलिये भारत में सभी मतों को आत्मसात किया है जो मानवता के प्रति सच्ची भावना प्रदर्शित करती है।

**अक्षर प्रभात** - अक्षर (शब्द) के माध्यम से आप सबके बीच समाज को संगठित करने में संलग्न है। आप अपना सहयोग देकर इस पुनीत कार्य में भागीदार बने एवं कृपा करें।

**अक्षर प्रभात** का प्रयास आपका अपना प्रयास है आपको एक दूसरे से जुड़ने का मौका प्रदान करता है, अपने भावों विचारों को सार्वजनिक रूप से एक दूसरे के सामने अभिव्यक्त करने का अवसर दे रहा है आइये और हमारे इस प्रयास में सम्मिलित हो जाइये। जिसमें आपका सहर्ष स्वागत है। अपने-आपको व्यक्त करने का परिचित होने के इस अवसर को हाथ से न जाने दें इसमें विभिन्न प्रकार की सामाजिक, धार्मिक, व्यक्तिगत और सभी प्रकार की चर्चाओं का आयोजन किया जाता है साथ ही आपके सुझाव, विचारों को भी स्वीकार किया जाता है। चिंतन, चेतना, अभिव्यक्ति और आत्म व्यक्ति... जिसे हम अपनी एकमात्र पत्रिका में भी आपको सम्मानपूर्वक स्थान देकर स्वयं गौरवान्वित होना चाहेंगे।

## हम समाज में कैसे रहे?

आदर्श समाज की व्यवस्था प्रत्येक सदस्यों के पारस्परिक सहयोग तथा सामवायिक आचरण पर निर्भर करती है और यह सामवायिक आचरण यम नियम की साधना पर निर्भर करता है इसलिये साधना ही आदर्श समाज की शुभ मिति है विशेष कर यम नियम की साधना।

हमेशा देखा जाता है कि कोई व्यक्ति यम नियम विरोधी आचरण के फलस्वरूप विशेषकर बिना हिसाब किताब के खर्च के कारण ऋणगस्त हो जाता है तथा इसके परिणाम स्वरूप समाज के निकट जाकर कहता है मुझे बचाओ इस दिशा में व्यक्ति मिलित प्रचेष्टा के द्वारा बचाना समाज का कर्त्तव्य हैं ठीक उसी प्रकार व्यक्ति के आचरण के ऊपर यम नियम की साधना के ऊपर तथा व्यय के ऊपर समाज का अधिकार होना चाहिये। खर्च करने के समय किसी का मत नहीं लेना और ऋणगस्त होने पर सबों की सहायता लेने का मनोभाव ठीक नहीं है। *- अक्षर प्रभात*

## अपनी भाषा, अपना देश, देता गौरव का संदेश

- सामयिक विषयों पर पाठकों के संक्षिप्त विचारों का इस स्तम्भ में स्वागत है।
- अक्षर प्रभात के सदस्य बनकर हमें मजबूती प्रदान करें। - अक्षर प्रभात चेतना
- किसी भी सज्जन भाई को गाय भारी पड़ती हो तो हमें दान कर दें। - अक्षर प्रभात गौ-सेवा
- नशा, तम्बाकू, गुटका का सेवन नहीं करना चाहिये जो हमें अपने ईष्ट से दूरी पैदा करता है। - अक्षर प्रभात व्यसन मुक्त अभियान

- कबीर जी ने कहा है तुम्हारा सांई आपके शरीर में ही है कावा-काशी और मंदिर-मस्जिद में ढूढ़ना व्यर्थ है उस ईश्वर की छवि देखने के लिये काया के भीतर सहस्रार चक्र पर बैठकर समाधि लगाकर ही सांई को पाया जा सकता है। यह कार्य हम सभी कर सकते है।
- मन की गति को परमपुरूष की ओर प्रवाहित कर देना ही-मानव धर्म है।

✧ **चिंतन** - देश की परम्परा के प्रति
✧ **चिंता** - देश की सुख-समृद्धि के प्रति
✧ **चेतना** - देश की संस्कृति के प्रति
✧ **चरित्र** - देश में चरित्र निर्माण के प्रति


# अक्षर प्रभात

22-ए, इन्द्रपुरी, भोपाल- 462 021 (मध्य प्रदेश) भारत